

इस बार मन की बात होगी विशेष रूप से किसानों के साथ : विवेक शर्मा

मन की बात ज्ञानवर्धक एवं अद्भुत : देव कुमार

किसान मोर्चा मन की बात को बनाएगा जन-जन की बात : रामकुमार

सीधी। भाजपा किसान मोर्चा को कामकाजी बैठक किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष और संभागीय प्रभारी विवेक दयाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान के विशिष्ट आतिथ्य एवं भाजपा किसान मोर्चा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष और रामपुर नैकिन नगर परिषद के अध्यक्ष रामकुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक दयाल शर्मा ने कहा कि पार्टी प्रदेश नेतृत्व की संसानुरूप इस माह 31 मई को होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय प्रसारण मन की बात को किसान मोर्चा, किसानों के साथ विभिन्न प्रतिष्ठानों में भव्यता



के साथ मनाने की योजना बनाई है। कृषि उपज मंडी, सेवा सहकारी समितियां, जिला पंचायत, सोसाइटी, कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं किसान चौपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सुना और देखा जाएगा। मन की बात विशेष रूप से इस बार किसानों के साथ मनाने की योजना की गई है। बैठक में आगामी कार्यक्रम मन की बात-किसानों के साथ को ऐतिहासिकता प्रदान करने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई।

किसान मोर्चा आगामी 31 मई को होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को जन-जन की बात बनाने के लिए कृत्य संकल्पित है। पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार हम सभी इसकी विशिष्ट रूप से योजना रचना बना रहे हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश आईटी प्रभारी प्रमोद द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को किसानों के साथ बढ़ी से बढ़ी और अधिकतम संख्या पर हो, हम इस बात का प्रयास कर रहे हैं। बैठक का संचालन किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अजीत सिंह लल्ला ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विश्वबंधु द्विवेदी, शिवदान साकेत, अजय सिंह, अंजनी सिंह, बजरंगी गुप्ता, पंकज पाण्डेय, विजय शंकर शुक्ल, राजेश द्विवेदी, विभा शर्मा, राकेश मौर्य, रघु साकेत, कंचन केशरी, नरेन्द्र गौतम, शौरभ द्विवेदी, विक्रमादित्य मिश्रा, नीरज द्विवेदी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा जल संवर्धन कार्यक्रम में उत्कृष्ट गीतों से वैदेही फाउंडेशन ने दिया संदेश

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा नगर निगम द्वारा गंगा दशहरा के अवसर पर आयोजित पंचमठा मंदिर बोहरा रीवा में कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जल कलश यात्रा में शामिल होकर जल संरक्षण का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री ने पंचमठा में बीहर नदी की आरती कर दीपदान दिया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी का संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी हर व्यक्ति जल संरक्षण में सरकार के प्रयासों में अपना योगदान दे अपने घरों में रैन वाटर हावैस्टिंग सिस्टम लगाकर पानी

की एक-एक बूँद को सहेज कर धरती माँ की कोख में पहुँचाये। इस गरिमामयी कार्यक्रम में उपयुक्त नगर निगम के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय सीधी के पी.एल.व्ही. एवं वैदेही फाउंडेशन जन कल्याण समिति सेन्दुरा सीधी के कार्यक्रम संयोजक संचालक सुरेन्द्र कुमार शुक्ला द्वारा जन संरक्षण जल संवर्धन पर केन्द्रित हृदयस्पर्शी प्रेरक गीतों की प्रस्तुती कर जनमानस को आन्दोलित जागृत व प्रेरित करते हुये जल का एक-एक बूँद सहेजने का उत्कृष्ट संदेश दिया गया जिसे जनमानस ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी बस्तुआ में विशेष शिक्षण समर कैप का शुभारंभ

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी बस्तुआ में विशेष शिक्षण समर कैप का शुभारंभ किया गया। प्रोत्सावकाश के दौरान संचालित किए जा रहे इस समर कैप में छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समर कैप का शुभारंभ गायत्री परिवार के ब्लॉक समन्वयक राजेंद्र मिश्र, समाजसेवी जवाहर यादव, उपसरपंच बृजलाल यादव, उषेंद्र शुक्ल आचार्य, बीआरसीसी कुसमी

अँगिरा प्रसाद द्विवेदी तथा प्राचार्य मनोज मिश्र की उपस्थिति में किया गया। 26 मई से प्रारंभ हुए इस शिविर में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जोड़ते हुए योग, प्राणायाम, खेल गतिविधियां, रचनात्मक गतिविधियां एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। समर कैप के माध्यम से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से ड्राइंग, पेंटिंग, लोकगीत, कविता वाचन, स्वतंत्र लेखन, स्वतंत्र वाचन तथा विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा व्यावहारिक रूप से दिया जा रहा है।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण विषयक काव्य गोष्ठी आयोजित, 93 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

सीधी। गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण विषय पर स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला शिक्षा केंद्र एवं जनपद शिक्षा केंद्र सीधी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए गूल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें जिले के 12 विद्यालयों से कुल 93 विद्यार्थियों ने सहभागिता के लिए आवेदन प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का आयोजन तीन समूहों में किया गया। प्रथम समूह में कक्षा 1 से 5 तक, द्वितीय समूह में कक्षा 6 से 8 तक तथा तृतीय समूह में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया। प्राप्त आवेदनों में कक्षा 1 से 5 समूह में 31, कक्षा 6 से 8 समूह में 48

तथा कक्षा 9 से 12 समूह में 14 विद्यार्थियों के आवेदन शामिल रहे। प्रतिभागियों की अधिक संख्या को देखते हुए निर्णायक मंडल द्वारा प्रारंभिक स्क्रीनिंग की गई। यह प्रक्रिया प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चली, जिसमें प्रत्येक समूह से 5-5 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को फाइनल चरण के लिए चयनित किया गया। फाइनल चरण का आयोजन सायं 4 बजे से 6 बजे तक ज्ञानस्थली इंटरनेशनल स्कूल, प्रियदर्शिनी नगर, सीधी में किया गया। इस दौरान चयनित फाइनलिस्ट विद्यार्थियों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपनी काव्य प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप मेडल प्रदान किए गए।

महिला कृषक पाठशाला में जैविक खेती एवं आजीविका संवर्धन पर दिया गया प्रशिक्षण

सीधी। किसान कल्याण वर्ष 2026-27 के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली द्वारा एकीकृत कृषि संकुल योजना अंतर्गत आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत नौदिया में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को जैविक खेती, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में महिलाओं को जैविक कीटनाशकों जैसे ब्रह्मास्त्र एवं नीमास्त्र के निर्माण की विधि, जैविक उत्पादन के महत्व, सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के उपाय, पशुपालन, बैकयाई सब्जी उत्पादन तथा जैविक खेती से संबंधित विभिन्न तकनीकी जानकारीयां प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदान की गई। प्रशिक्षण में कृषि सीआरपी लक्ष्मी ताम्रकार, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी प्रमिला सिंह, फूलबाई सिंह, रेनु सिंह, दिनेश कुमार सिंह एवं कंचन सिंह ने प्रशिक्षक के रूप में सहभागिता करते हुए महिलाओं को व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की।

जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान में जनभागीदारी आवश्यक : विश्वामित्र

जंगा दशहरा पर ग्राम पंचायत महुआर में जल स्रोत पूजन, गंगा कलश यात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विधानसभा क्षेत्र सिहावल की ग्राम पंचायत महुआर में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जल स्रोत पूजन, गंगा कलश यात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम मंदिर परिसर से तालाब तक गंगा कलश यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात जल स्रोत से कलश में जल भरकर पुनः पूजा स्थल तक लाया गया, जहां विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश देते हुए जल स्रोत के तट पर 108 दीप प्रज्वलित कर 'जल है तो कल है' संदेश के साथ दीपदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक विश्वामित्र पाठक



ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल वर्तमान समय की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। जल जैसे अमूल्य प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण में समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जल के विवेकपूर्ण उपयोग, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण

एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। दीपों की रोशनी एवं 'जल ही जीवन है' के उद्घोष के बीच विधायक श्री पाठक द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती सुषमा कोल, एसडीएम सिहावल राजेश शुक्ला, सिद्धार्थ गौतम, गजराज सिंह, तहसीलदार जय प्रकाश पांडेय, बीएमओ डॉ. रिकेश शर्मा, बीपीओ कामता तिवारी, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, लाडली बहनें एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर नदी तट पर हुआ श्रमदान, जल संरक्षण का दिया संदेश

सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर विकासखंड सीधी के ग्राम बटौरा में नदी तट पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी एवं जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 447 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं

समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए गए निर्देश

सीधी। मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिले के विभिन्न दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 447 आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं। जिला पंचायत



सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों से प्रकरणवार जानकारी प्राप्त कर उनके समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यालय कलेक्टर जिला सीधी एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन राजस्व विभाग				
क्रमांक 611 / मू-अर्जन / 2026				
सीधी, दिनांक 19/05/2026				
अधिसूचना				
बुँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संयवहार नहीं करेगा, या कोई संयवहार नहीं करायेगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा। यह योजना आमजन व्यापक एवं दूरगामी के हितों से सम्बद्ध है। यह प्रक्रिया/योजना शासन एवं आमजन के न्याय हित में होने के कारण सामाजिक समाघात के पूर्व मूल्यांकन/आंकलन की आवश्यकता नहीं है। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (6) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के सम्बंध में धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।				
-- अनुसूची --				
(1) भूमि का वर्णन :-	(क) जिला	(ख) तहसील	(ग) ग्राम	(घ) पटवारी हल्का का नाम
(2) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल (डू.)	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा हे० में	धारा-12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	15/2/1	0.002	कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग (म./स.) सीधी	विजयपुर बाईपास सड़क मार्ग के निर्माण हेतु
2	25	0.081		
3	24/2	0.045		
4	38/1	0.041		
5	46/2	0.035		
6	39/1/1			
7	39/1/2			
8	39/2	0.023		
9	39/3			
10	47/1			
11	47/2	0.026		
12	48/1			
13	48/2	0.050		
14	48/3			
15	49	0.007		
16	50	0.016		
17	51	0.025		
18	52/1/1	0.065		
19	53/1			
20	53/2	0.052		
21	54/1	0.001		
22	153	0.082		
23	151/1			
24	151/2			
25	151/3			
26	151/4/1			
27	151/4/2			
28	151/4/3	0.020		
29	151/4/4			
30	151/4/5			
31	151/4/6			
32	151/4/7			
33	151/4/8			
34	151/4/9			
35	154	0.096		
36	203/1/1			
37	203/1/2			
38	203/1/3			
39	203/1/4	0.207		
40	203/2/1			
41	203/2/2			
42	202/257	0.092		
43	202/1	0.041		
कुल योग -		1.007		
भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास के कार्यालय में देखा जा सकता है।				
म.प्र. राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार				
(विकास मिश्रा) कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग				
जी-13457/26				

कार्यालय कलेक्टर जिला सीधी एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन राजस्व विभाग				
क्रमांक 609 / मू-अर्जन / 2026				
सीधी, दिनांक 19/05/2026				
अधिसूचना				
बुँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संयवहार नहीं करेगा, या कोई संयवहार नहीं करायेगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा। यह योजना आमजन व्यापक एवं दूरगामी के हितों से सम्बद्ध है। यह प्रक्रिया/योजना शासन एवं आमजन के न्याय हित में होने के कारण सामाजिक समाघात के पूर्व मूल्यांकन/आंकलन की आवश्यकता नहीं है। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (6) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के सम्बंध में धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।				
-- अनुसूची --				
(1) भूमि का वर्णन :-	(क) जिला	(ख) तहसील	(ग) ग्राम	(घ) पटवारी हल्का का नाम
(2) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल (डू.)	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा हे० में	धारा-12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	240/2/1		कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग (म./स.) सीधी	विजयपुर बाईपास सड़क मार्ग के निर्माण हेतु
2	240/2/2	0.213		
3	240/2/3			
4	240/3			
5	233/1/1			
6	233/1/2/1			
7	233/1/2/2			
8	233/1/2/3			
9	233/1/3			
10	233/1/4			
11	233/1/9	0.147		
12	233/2/1			
13	233/2/5			
14	233/3			
15	233/4/1			
16	233/4/2			
17	233/4/3			
18	233/4/4			
19	233/4/5			
20	233/4/6			
21	233/4/7			
22	233/5/1			
23	233/5/2/1			
24	233/5/2/2			
25	233/5/3			
26	233/5/4			
27	233/5/5			
28	233/5/6			
29	123	0.001		
30	120/1			
31	120/2	0.011		
32	120/3			
33	118/1/2			
34	118/1/3			
35	118/2			
36	118/3			
37	118/4			
38	118/5			
39	118/6			
40	118/7			
41	118/8	0.040		
42	118/9			
43	118/10			
44	118/11			
45	118/12			
46	118/13			
47	118/14			
48	118/15/1			
49	118/15/2			
50	118/15/3			
51	116	0.018		
52	112/1	0.017		
53	112/2/1			
54	112/2/2			
55	112/2/3			
कुल योग -		0.447		
भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास के कार्यालय में देखा जा सकता है।				
म.प्र. राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार				
(विकास मिश्रा) कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग				
जी-13439/26				

संपादकीय

2026 में भारत के सामने बढ़ सकती हैं आर्थिक चुनौतियां

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है।इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद जिस स्तर पर वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हुई, उसका प्रभाव दुनिया के ज्यादातर देशों पर पड़ा है। भारत में भी आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से कई स्तर पर इटके लगे हैं, जिसका सीधा असर देश की आर्थिक संरचना पर पड़ा है। इसके बावजूद भारत ने अपने स्तर पर हालात से निपटने की कोशिश की है और यही वजह है कि आने वाले दिनों की चुनौतियों के समांतर कुछ सकारात्मक संकेत अब भी कायम हैं।वैश्विक स्तर पर ज्यादातर देशों को लगे आर्थिक इटकों के असर का दायरा अब भी फैल रहा है और शायद संयुक्त राष्ट्र की ओर से इन्हीं वजहों से भारत की विकास दर प्रभावित होने की आशंका जाहिर की गई है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हो सकती है।निश्चित तौर पर यह भारत के लिए एक चुनौती भरा वक्त साबित हो सकता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने जिस तरह विकास दर में इस अनुमानित संशोधन के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बने रहने का आकलन पेश किया है, उससे एक उम्मीद भी पैदा होती है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद जैसी स्थितियां पैदा हुईं, उनका असर इस रूप में आने की आशंका पहले से बताई जा रही थी। सच यह है कि न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यन्तशित साबित हो रहे संकट का दायरा और भी विस्तृत हो सकता है, क्योंकि 2026 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान भी महज 2.5 प्रतिशत आंका गया है।यह छिपा नहीं है कि दुनिया के ज्यादातर प्रभावित देशों में इसकी वजह से विकास की रफ्तार धीमी हुई है और सभी जगहों पर महंगाई का दबाव तेजी से बढ़ा है। आम लोगों की क़यशार्तिक कमजोर होने का सीधा असर बाजार पर पड़ता है।

बिहार की राजनीति के वर्तमान व भविष्य की ‘सियासी धुरी’ बन चुके हैं सीएम सम्राट चौधरी

(कमलेश पांडे)

सामाजिक समीकरणों में मजबूत पकड़-बिहार की राजनीति के भाजपाईं नव चाणक्य सम्राट चौधरी का सबसे बड़ा राजनीतिक बल उनका व्यापक सामाजिक आधार माना जाता है। चूँकि वे पिछड़े वर्ग, विशेषकर कुशवाहा-कोइरी यानी लव कुश समाज या त्रिवेणी संघ से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक प्रभाव रखता है।

बिहार की राजनीति में गुझारू युवा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को केवल सुलझते हुए वर्तमान का एक नेता ही नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीतिक धुरी के रूप में देखने वालों की संख्या पिछले 5 वर्षों में तेजी से बढ़ती हो जा रही है और यह सिलसिला निरंतर आगे भी चलता रहेगा। ऐसा इसलिए कि उनके पीछे कई राजनीतिक, सामाजिक और सांघटनात्मक कारण सज्जित हैं, जो उन्हें राजनीतिक रूप से अजेय बनाते हैं। आइए इन्हें समझते हैं विस्तार से-

पहला, बिहार में भाजपा के भीष्म पितामह कैलाशपति मिश्रा के संजोए हुए सपनों को पूरा करते हुए पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक महत्व है। निःसन्देह साल 2026 में सम्राट चौधरी का बिहार का मुख्यमंत्री बनना भाजपा के लिए ऐतिहासिक मोड़ माना गया, क्योंकि पहली बार बिहार में भाजपा ने मुख्यमंत्री पद अपने हाथ में लिया। इससे प्रदेशवासियों में यह संदेश गया कि भाजपा का बिहार में जुनियर पार्टनर नहीं रहना चाहती बल्कि पार्टी ने बिहार में अपना सूझबूझ युक्त स्वतंत्र नेतृत्व स्थापित कर दिया।

पार्टी मामलों के जानकारों की मानें तो अब सम्राट चौधरी को केवल अंतरिम चेहरा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नेतृत्व के मोहरे के रूप में

डबल गेम खेल रही कांग्रेस को मायावती ने किया आउट, इस राजनीतिक हलचल ने सबको चौंकाया

(नीरज कुमार दुबे)

कांग्रेस नेताओं की मायावती से मुलाकात की असफल कोशिश ने इन अटकलों को और तेज कर दिया। कांग्रेस की ओर से सफाई दी गई कि यह केवल शिष्टाचार भेंट थी और नेताओं ने मायावती के स्वास्थ का हाल जानने के लिए जाने का फैसला किया था।

आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने एक बार फिर बसपा प्रमुख मायावती के करीब जाने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। चूँकि विधानसभा इस समय समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में है, इसलिए उसके शीर्ष नेता खुलकर मायावती से संपर्क नहीं कर सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस से जुड़े कुछ दलित नेताओं के माध्यम से मायावती तक पहुंचने की कोशिश की गई, लेकिन मायावती ने इस प्रयास को पूरी तरह विफल कर दिया। लखनऊ स्थित अपने आवास पर पहुंचे कांग्रेस नेताओं को उन्होंने मिलने का समय तक नहीं दिया। इस घटनाक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नए संकेत दे दिए हैं। कांग्रेस के लिए यह स्थिति इसलिए भी असहज हो गई क्योंकि उसी समय राहुल गांधी रायबरेली और अमेठी के दौरे पर थे तथा दलित समाज से जुड़े कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे। हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी पहले भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं कि पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने मायावती को गठबंधन का प्रस्ताव दिया था। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि उन्होंने मायावती को मुख्यमंत्री पद तक की पेशकश की थी, लेकिन बसपा प्रमुख ने प्रस्ताव ठुकरा दिया था। इसके बाद कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ हाथ मिलाया और लोकसभा चुनावों में इस गठबंधन को अपेक्षाकृत अच्छा परिणाम मिला।

(ललित गर्ग)

आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। सत्यं वद, धर्मं चर, वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विभ्रमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है। यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दर्याबंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध।

तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्ववीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम



मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका

राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे हटू जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोध बनाम राजनीतिक विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और

बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक

विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्ववीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को धर्म बनाम धर्म की लड़ाई से ऊपर उठकर जन बनाम जनसमस्या के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्ववीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। स्वास्थ्य और सामाजिक समस्याओं को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। सभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

1	2	3	4	5
	6			7
8	9	10		11
12			13	14
	15	16		17
	18		19	20
21			22	23
24		25		
संकेत: बाएं से दाएं 1927 को मध्यप्रदेश की भूपूर्वव राज्यपाल तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा में भारत की दूसरीमहिला ने जन्म लिया था (6) - वल्पाया, प्यारो (3) - कमर, शरीर का मध्य भाग (2) - सुर, वाद्य (2) - हॉलैंड के मियासी यह कहलाते है (2) - खपट, अग्र, ओढ़, ओढ़ (उर्दू)(2) - प्रलेक अथ की तीसरी तिथि (2) - सिलसिलेवार, क्रमिक, व्यवस्थित (4) - यसू आदि की नीचे की सतह, अर्धगोल, स्तर (2) - पुराणानुसार सलत पालातों में से पहला, खेव (2) - इस अभिनेत्री की पहली फिल्म, सरगम (1979) थी (4) - यह अभिनेता अमजर खान के अभिनेता मिता थे (निधन 2 जुलै 1975) पुराणानुसार इंद्र के एक पुत्र उषेन्द्र का यह भी एक नाम था (3) - सेवा, टयल, सुनुषा (4) - पत्र, पत्रों का अन्वय (2) - पणाम, नस्लीय, नीरों की एक किस्म (3) ऊपर से नीचे - विद्या या वाणी की देवी, पंजाब की एक प्राचीन नदी (4) - शर्म, हया, लज्जा (2) - एक विस्फोटक रासायनिक गोला (3) - चक्रवात, बवंडर, धार (4) - सम्रड, कमर बांधकर, तैयार, मुसंदर (4) - अस्पष्ट उच्चारण, गलतब, मिथानी (4) 25 वर्ष पूर्ण होने पर (2) - राय, दार्शनिक प्रणाली, सलाह, वोट (2) - जीवन, जिंदगी (उर्दू)(3) - प्रवेश, निविशेरा, भरी (3) - पक्षी की ऊपरी सतह (3) - सुलक्ष्मन राजाओं वाली राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2) - सत्ता, एक बार संसद लेने का समय, शक्ति, फूंक (2)				

इ	स	क	त	व	र
ह	य	द	न	ड	सु
रा	ली	ला	से	ठ	ना
क	ला		न	क	सी
र	न	क	न	र	न
न	व	ग	या	न	वे
	स	व	क	यु	रू
स	म	त	ल	ल	त

तुला	वृश्चिक
आज का दिन सामान्य रहेगा। लेनदेन से संबंधित किसी योजना में आपको बहुत सावधानी बरतनी होगी। अगर किसी को पैसा उधार देने वाले हैं तो इससे आपको बचना होगा। सतान किसी चीज को लेकर डिमांड कर सकती है। राजनीति में कार्यरत लोगों के कामों में कुछ कमियां आ सकती है, इसलिए आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाए रखें।	आज का दिन काम में अड़चने ला सकता है। संतान की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में गलती करने से आपको बचना होगा। वरना आपको नुकसान झेलना पड़ सकता है। परिवार में चल रहे विवाद परिधान कर सकते हैं।
धनु	मकर
आज का दिन जल्दबाजी करने से बचने की सलाह दे रहा है। काम में जल्दबाजी आपको नुकसान करा सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा बॉस को दी गई सलाह खूब पसंद आएगी। काम में समस्या आ सकती है। विदेश जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में कुछ परेशानी आ सकती है।	आज का दिन आय और खर्च से जुड़ी परेशानियों के कारण तनावपूर्ण रह सकता है। इसका असर आपका कामकाज पर भी पड़ेगा और मन अशांत बना रहेगा। मानसिक उलझन और बेवैनी महसूस हो सकती है। हालांकि, आपको अपनी आमदनी बढ़ाने के प्रयास तेज करने होंगे, तभी आप अपने रोजमर्रा के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे।
कुंभ	मीन
आज दिन तरक्की के नए रास्ते खोलने वाला रहेगा। आप अपने कामों को तेजी से आगे बढ़ाएंगे और लंबे समय से चल रही परेशानियों से राहत मिल सकती है। कारोबार में आ रही दिक्रतें दूर होंगी। वाहन खरीदने की योजना बना सकते हैं। कोई नया विचार आए तो उसे तुरंत अमल में लाने की कोशिश करें।	आज का दिन सुखियों से भरा रहेगा। सतान को अच्छी नौकरी मिलने से घर में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आप नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। आत्मविश्वास बनाए रखें और अहंकार से बचें। किसी जरूरी काम से अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

मेष	वृष
आज का दिन आपके लिए सूझबूझ आगे काम करने की सलाह दे रहा है। आप धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। परोपकारों के काम में आपकी रुचि बढ़ेगी। किसी काम को पूरा करने में आपको पिताजी की हेल्प मिल सकती है। जल्दबाजी में किसी काम को करने से आपको बचना होगा।	आज का दिन आपको विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य रखने की सलाह दी जा रही है। सतान कोई गलती कर सकता है तो ऐसी स्थिति में आपको उसकी उनकी संगति पर ध्यान देने की जरूरत है। यदि आप लव लाइफ में हैं तो आपको परिवार के सदस्यों का सहयोग मिल सकता है। साझेदारी में कर रहे काम में आपको लाभ हो सकता है।
मिथुन	कर्क
आज का दिन कार्यक्षेत्र में बॉस से बहसबाजी में करा सकता है। इसलिए सतर्क रहें आपका प्रमोशन अटक सकता है। खानपान में सतर्क रहें। आपको अत्यधिक ज्यादा तले भुने भोजन से परहेज रखना होगा। सामाजिक क्षेत्र में यदि आप लगे हैं तो आपका काम प्रभावित हो सकता है।	बुधवार का दिन आपके लिए कुछ उलझनों भरा हो सकता है। सतान के करियर को लेकर आप परेशान रहेंगे। इस पर कोई महत्वपूर्ण फैसला आपको लेना होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो आपको किसी काम के सिलसिले में घर से दूर जाना पड़ सकता है। व्यापारियों बिजनेस में किसी बदलाव को लेकर सोच विचार कर सकते हैं।
सिंह	कन्या
आज का दिन प्रसन्नता दिलाएगा। जीवनसाथी की किसी आदत को लेकर आप जरूर परेशान होना पड़ सकता है। इससे आपका विवाद बढ़ सकता है। भाई व बहनों का पूरा साथ मिलेगा। योग व व्यायाम से आप दिनचर्या में अपनाकर बीमारियों से छुटकारा मिलेगा।	आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे लेकिन लोग इसे स्वार्थ समझेंगे। आपकी अच्छी सोच का लोग लाभ उठाएंगे। आपको किसभी भी तरह से तनाव को अपने पर हावी नहीं होने देना है। आपको कुछ मौसमी बीमारियां से आपको बचना होगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बाद महाराष्ट्र की बारी, जिमखानों की होगी जांच

केई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने दिल्ली ज़िमखाना वलब को केंद्र सरकार की ओर से दिए गए नोटिस के बाव में मुंबई के प्रमुख ज़िमखानों की जांच शुरू करने का फैसला किया है। सरकारी ज़मीन पर चल रहे 10 ज़िमखानों का किराया राय्य को सालाना करीब 2 करोड़ रुपये मिलता है। इन वलबों की लीज शर्तों और नियमों के पालन की जांच की जाएगी। यह कदम सुरक्षा और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए उठाया जा रहा है। बॉम्बे ज़िमखाना, पीजे हिंदू ज़िमखाना, कैथोलिक ज़िमखाना, पारसी ज़िमखाना, इस्लाम ज़िमखाना जैसे प्रतिष्ठित वलब इस जांच के दायरे में आएं। दिल्ली ज़िमखाना को 5 जून तक परिसर खाली करने का नोटिस मिलाने के बाद महाराष्ट्र सरकार सक्रिय हुई है। केंद्र ने राक़ा ढांचे को मजबूत करने और सुरक्षा कारणों को ध्यान में र्हाता दिया था। मुंबई में बॉम्बे ज़िमखाना 1875 में स्थापित एक ऐतिहासिक वलब है। इसका लीज 2006 में समाप्त हो चुका है, जबकि ग्राउंड का लीज 2007 में खत्म हुआ। सरकार और सचिव डीफेंस वलबों को नोटिस जारी करेगी और सुनवाई भी आयोजित करेगी। 2003 की रेट पॉलिसी को अदालत में चुनौती दी गई थी, जिसे 2013 और 2025 में संशोधित किया गया। बॉम्बे ज़िमखाना और बुरुन्मुई नगर निगम के बीच ज़मीन अधिग्रहण को लेकर विवाद चल रहा है। बीएमसी फैशन स्ट्रीट से छपाय शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) तक हज़रत मीरानाई मार्ग को चौड़ा करने के लिए वलब की करीब 3000 वर्ग मीटर ज़मीन लेना चाहती है। इससे वलब के सीईओ के बंगले का भी हिस्सा शामिल होेगा। वलब इस प्रस्ताव का विरोध कर रहा है। इस बीच अन्य ज़िमखाने भी अपनी लीज स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

तमिलनाडु सीएम विजय ने पूरा किया
वादा, 14 लाख से ज्यादा किसानों का
कर्ज माफ; फिर भी क्यों नाराज किसान?

वेनई, जेजसी तमिलनाडु में नेता से अभिनेता और अव मुख्यमंत्री ने विजय ने अपना एक बाद चुनावी वादा पुरा किया है। मुख्यमंत्री विजय की सरकार ने राज्य में 14 लाख से अधिक किसानों का कर्ज माफ करने की घोषणा कर दी है। यह फैसला सोमावार को तमिलनागा वेनई कडगम (टीवीके) की एक हार्ड-लेवल रिव्यू मीटिंग के बाद लिया गया है। हालांकि कर्ज माफी के बाद भी किसानों ने टीवीके सरकार से नाराजगी जताई है। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु के मंत्री सी.एस.आर. निमलकुमार ने सरकार के इस फैसले के तहत 'मैं बताते हुए कहा कि 14.22 लाख किसानों का कर्ज माफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'राज्य में करीब 16.92 लाख किसानों ने कृषि लोन लिया था, जिसमें से आज 14.22 लाख किसानों का कर्ज पूरी तरह या आंशिक रूप से माफ कर दिया गया है। यह हमारा प्रमुख चुनौती वादा था जिसे हमने पूरा किया है।' मुख्यमंत्री विजय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कृषि मंत्री और विनोद, सरकारिता मंत्री भी, कारिगार और वित्त मंत्री एन. मारिया विसन भी शामिल थे। सरकार ने कर्ज माफी के लिए एक 'ग्रेडेड सिस्टम' तय कर दिया है। सरकार ने बताया कि इस सिस्टम के तहत जिन किसानों पर 50,000 रुपये से कम का बकाया कर्ज है, उनका कर्ज पूरी माफ किया जाएगा। वहीं, अन्य छोटे किसानों के लिए 50,000 रुपये तक के कर्ज पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल
हेमकुंड साहिब का बर्फ से श्वेत
श्रृंगार, मई में भी हो रही बर्फबारी

चमोली, एजेंसी जिहा एक ओर देश के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी और चिल्लाती धूप ने लोगों का जीना बेहाल कर रखा है, वहीं उत्तराखंड के ऊँचाई वाले क्षेत्रों में मौसम के अलग ही दृग देखने को मिल रहे हैं, सिखाँ के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब में इन दिनों बर्फबारी हो रही है, कपाट खुलने के बाद से ही यहां बर्फ गिरने को सिलसिला मिला है, जिससे पूरा धाम बाढ़ की संकट चांदर में ढका नजर आ रहा है, हेमकुंड साहिब में बिछी बर्फ की सफेद चांदर : बता दें कि समुद्र तल से करीब 15,200 फीट की ऊँचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब में मौसम का यह अलौकिक नजारा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है, एक ओर जहां नीचे के क्षेत्रों में लोग गर्मी से राहत पाने के लिए परेशान हैं, तो वहीं हेमकुंड साहिब में कड़ुके की ठंड और लगातार हो रही बर्फबारी श्रद्धा और प्रकृति का अद्भुत संगम पेश कर रही है, कुदरत ने किया हेमकुंड साहिब का शत श्रृंगार : वहीं, चमोली जिले के निचले इलाकों में शाम होते ही तेज हवाओं की साथ हल्की बारिश भी दर्ज की गई, लेकिन हेमकुंड साहिब में बर्फबारी का दृश्य किसी स्वर्गीय अहसास से कम नहीं लग रहा, ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो प्रकृति खुद दशम गुण संवर सिंदूर सिंह की तपस्थली को अपने हाथों से सजा और सुगा रही हो, श्रद्धालुओं का कहना है कि बर्फ से ढका हेमकुंड साहिब का यह दिव्य स्वरूप उनकी यात्रा को और ज्यादा आध्यात्मिक एवं यादगार बना रहा है, गौर हो कि वीथी 23 मई को गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के खोलें जा चुके हैं।

दियस में खनिज माफियाओं का आतंक, राजस्व अधिकारियों पर जेसीबी चढ़ाने की कोशिश, 12 पर एफआईआर



कागजात मांगने पर भड़के आरोपी, अधिकारियों पर चढ़ाई जैसीभी: महसूल अधिकारियों ने जब वाहननों को रोककर उनके चालकों से इस उखनन से संबंधित सरकारी अनुमति प्राप्त, रायल्टी रसीद और अन्य वैध दस्तावेजों की मांग की, तो आरोपी कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असफल रहे। इसके बाद जब अधिकारियों ने नियमों के तहत वाहननों को जब्त करने के लिए पंचनामा की कागजात प्रक्रिया शुरू करने का प्रयास किया, तो वहाँ मौजूद वाहन चालक और उनसे साथी अचानक बेहद आक्रामक हो गए। यवतमाल पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, जब अधिकारी पंचनामा लिख रहे थे, तभी जैसीभी के मुख्य चालक ने अचानक मशीन स्टार्ट की और उसे सीधे खड़े अधिकारियों की दिशा में तेजी से बढ़ा दिया। चालक ने उन्हें मशीन के नीचे कुचकर जान से मारने का सीधा प्रयास किया। गनीमत रही कि अधिकारियों ने समय रहते फुर्ती दिखाई और सड़क किनारे कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

लोहे की रांड और डंडे लेकर दोबारा धमकाने पहुंचे: राज्यत्व दल को डराने का यह सिलसिला यही नहीं रुका। इस जानलेवा हमले के कुछ ही समय बाद, मुख्य आरोपी नंदर प्रकाश चव्हाण अपने साथ करीब 10 से 12 अन्य स्थानीय दलों को लेकर चार मोटरसीकिलों पर सवार होकर वापस घटनास्थल पर लौटा। इन सभी के हाथों में लोहे की थारी रांड, डंडे और धातु आधारित हथियार थे। इन लोगों ने सरकारी

ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सर्वोपरि अश्लील गालियाँ दीं, उन्हें जान से मारने की सीधी धमकी दी और सम्पर्क की जाने की कार्रवाई को जबरन रोकने का प्रयास किया। इस बेहद तनावपूर्ण स्थिति के बाद राजस्थान अधिकारियों ने तत्काल दिग्रस पुलिस स्टेशन पहुँचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नरेंद्र प्रकाश चट्टान सहित कुल 12 आरोपियों को खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न संगीन धाराओं तथा महाराष्ट्र जमीन महसूल संहिता के नियमों के अंतर्गत शासकीय कार्य में बाधा डालने और जानबूझी हमला करने का मामला दर्ज किया है। दिग्रस पुलिस की विशेष टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

नीलम मीना को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी किया गया नियुक्त

नई दिल्ली , एंजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) ने सोमवार को नीलम मीना को पश्चिम बंगाल का मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया. यह घटनाक्रम सीईओ मनो कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है. 1988 जैच के सीईओ मंगलम बंगाल कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी नीलम मीना, अग्रवाल का स्थान लेंगी. ईसीआई ने एक अधिकारसूची के माध्यम से नए सीईओ की नियुक्ति की घोषणा की है. ईसीआई द्वारा जारी अधिकारसूची में कहा गया है, "जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (43 अर्थ 1950) की धारा 13ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल सरकार से परामर्श करके नीलम मीना, आईएएस, (पश्चिम बंगाल: 1998) को मनोज कुमार अग्रवाल, आईएएस के स्थान पर पश्चिम बंगाल राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करता है. यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से

प्रभावी होंगी और अगले आदेश तक ला रहेगी चुनाव आयोग ने कहा कि मीना को पश्चिम बंगाल सरकार के अधीन किसी भी प्रकार के कार्यभार को तुरंत छोड़ना होगा और उसे सौंपना होगा, जो वह पदभार ग्रहण करने से पहले धारण कर रही थीं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए, मीना राज्य सरकार के अधीन कोई अतिरिक्त प्रभार नहीं संभालेंगी, सिवाय इसके कि उन राज्य सचिवालय में चुनाव विभाग की प्रधान प्रधान सचिव के रूप में नामित किया जाए। चुनाव आयोग ने मीना की मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को भी पत्र लिखा। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में, चुनाव आयोग के प्रधान सचिव राहुल शर्मा ने लिखा, 'मैं पश्चिम बंगाल की मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नीलम मीना, आईएसए (पश्चिम बंगाल-1998) की नियुक्ति के संबंध में आयोग की 25 मई की अधिसूचना को संलग्न करने का निर्देश दिया गया है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अधिसूचना को पश्चिम बंगाल राज्य राजपत्र में पैन: प्रकाशित कराया जाए।

1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में जगदीश टाइटलर के खिलाफ एक भी गवाह के बयान दर्ज नहीं हुए



कौर बेदी के बयान दर्ज किए गए थे।
हरपाल कौर बेदी ने अहमजी जगदीशशर
टाइटल की कोर्ट में पहचान का
हरपाल कौर बेदी ने कहा था कि
जगदीश टाइटलर की ओर से जान से
माने की धमकियाँ मिली जिसकी
शिकायत उन्होंने पुलिस से की थी।
लेकिन ओई कारवाई नहीं हुई, हरपाल
कौर ने घटना वाले दिन का वाक्या
बताते हुए कहा था कि पुल
गुरुद्वार पर जगदीश टाइटलर आया
और उसने भीड़ को उकसाया।

भीड़ आयी और तिलकराज के घर
छिपे हुए सिखों को निकालकर काट
डाला और खत से नीचे फेंक दिया।
सिखों की हत्या करने के बाद उनका
शव रહેड़ी पर डाला और उस पर टायर
काटकर आग लगा दी। हरपाल बेदी ने
कह कि उनके पति अमरजीत बेदी
भी काँग्रेस के नेता थे और टाइटलर
उनकी दुकान पर आता था जिसकी
वजह से उन्होंने टाइटलर को पहचान
लिया। इस मामले को शिकायतकर्ता
लखविंदर कौर ने अपने बयान में
कहा था कि ग्रंथी सुरेंद्र सिंह ने उन्हें
बताया कि उनके पति बादल सिंह को
गुरुद्वारा पुलबंश के पास भीड़ ने
हत्या कर दी। जगदीश टाइटलर उस
भीड़ को उकसा रहे थे और कह रहे थे
कि सिखों को मार दो, उजाड़ दो।
गुरुद्वारा को आग लगा दो. बता दें कि
कोर्ट ने 4 अप्रैल 2023 को
जगदीश टाइटलर को अग्रिम
जमानत दी थी।

चारधाम यात्रा के 5 हफ्ते में कितने तीर्थयात्रियों की मौत; सबसे अधिक कहां?

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के शुभारंभो 5 हफ्तों में 92 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा 45 मौतें केदारनाथ में हुईं, जबकि बरौनीनाथ में 24, यमुनोत्री में 13 और गंगोत्री में 10 तीर्थयात्रियों ने अपनी जान गंवाई। इनत तमाम चुनौतियों के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमवार शाम तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं।

कदारनाथ में सबसे अधिक 44 मौतें : उत्तराखंड के राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, कदारनाथ में सबसे अधिक 44 मौतें दर्ज की गई हैं। बदरीनाथ में 24, मुनात्री और गंगोत्री में क्रमशः 13 और 10



श्रद्धालुओं की मोती हैं। ये मोती विभिन्न स्वास्थ्य कारणां से हैं हैं। इनमें ऊँचाई से संबन्धित भीमाग्र्या और हृदय गति रुकना शामिल हैं। एक अन्य व्यक्ति की मोती के देरानाथ में प्राकृतिक आपदा के कारण हैं।

चारधाम यात्रा में 92 पहुंचा
मौतों का आंकड़ा : इस साल चारधाम यात्रा में मौतों का आंकड़ा 92

पर पहुंच गया है। आंकड़ बतलाते हैं कि सोमवार शाम सात बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधामों में दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। केदारनाथ में सबसे अधिक 8.72 लाख श्रद्धालु पहुंचे। इसके बाद बदरीनाथ में 6.13 लाख, गंगोत्री और यमुनोत्री में क्रमशः 3.85 एवं 3.87 लाख श्रद्धालु पहुंचे।

अल्टीमोड पर आपदा प्रबंधन

विभाग : उच्च हिमालयी क्षेत्र की इस यात्रा को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शीघ्र अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौसम प्रतिकूल होने पर हर एक श्रद्धालु की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। इतना ही नहीं सिक्कों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री हेमकुंड साहिब भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस बीच गंगा दशहरा के मौके पर सोमवार को हरिद्वार में गंगा किनारे बहुत से श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। लोगों ने नियम-कानून के साथ गंगा जी में स्नान किया। माना जाता है कि इस पवित्र मौके पर गंगा में नहाने से सारे पाप धुल जाते हैं। गंगा दशहरा पर्व उस घटना का प्रतीक है जब गंगा नदी धरती पर अवतरित हुई थीं। इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से धरती पर आई थीं। शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा गंगा नदी के धरती पर आमजन की याद में मनाया जाता है।

अधिकांशता से ज्यादा आपूर्ति की चुनौती, कम क्षमता के कारण हो रहा ब्रेकडाउन

हैं। धमता के अलावा बाली टीम की संख्या में हुई गजली संकट बढ़ा दिया है। एक समय में एक ही टीम है। उपकेन्द्रों पर तीन या दो सात-आठ भी है। ऐसे में केंद्र के एक से ज्यादा फील्ड फॉल्ट आए तो बारी-बारी जाएगा और जब तक एक रहा होगा, तब तक दूसरी वक्ता बिजली न आने से मजबूर है।

क वक्त 2336 मेगावाट
एक्सचेंज से : रविवार
की अधिकतम मांग का नया
04 मेगावाट) दर्ज किया
नान पावर कॉरपोरेशन को
से 2336 मेगावाट
पे पड़ी। वहीं, राज्य विद्युत
का अपने खोतों से उत्सर्जन



वॉट था जबकि उसकी क्षमता कि अपने
वॉट है। निर्धारित आयात स्रोतों पर पावर
8 मेगावॉट बिजली ली गई। तोकर ले
गम ने जल विद्युत से 273 में आ रही
जली उत्सर्जित की। जाहिर है जनत

को रिकॉर्ड नहीं ग्राह्य चाहिए

उपभोक्ता परिषद : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि जनता को रेटार्ड नहीं बल्कि राहत चाहिए। बार-बार आपूर्ति बाधित होने की वजह से उसे गैरेशीनी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ता परिषद ने अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने अध्यक्षता में मांग के आंकड़ों पर भी सवाल खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस समय पावर कॉर्पोरेशन के पास जितनी बिजली है, उसी की अधिकतम मांग हो जा रही है।

रविवार को दक्षिण भारत के मौसम में परिवर्तन हुआ। बारिश हुई तो एकसंजक में भी बदलती ज़्यादा आ गई तो उसकी अपूर्ति करके रिकॉर्ड बताया जा रहा है। कुल विद्युत उपयोग के लोड के आधार पर अगर बंगलौर उपलब्ध होती तो मॉग 35 हजार गीगावाट तक पहुँच सकती थी। उन्होंने कहा कि फॉल्ट दूर करने वाली टीम की संख्या बढ़ाने, आपूर्ति में बाँटिकल व्यवस्था खत्म करने और आपूर्ति बाँटों को मजबूत करने के लक्ष्य हैं स्थितियाँ सामान्य हो सकती हैं।

मुख्यमंत्रि विजय के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर इंजीनियर गिरफ्तार



तिरुनलवेली, एजेंसी। सूबे के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ सोशल मीडिया पर बेहद आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। तिरुनलवेली जिले के मुन्नीनपल्लम के रहने वाले 30 वर्षीय जेम्स पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के खिलाफ न सिर्फ अपमानजनक बातें लिखीं, बल्कि उनके लिए अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया।

दरअसल, कायबदूर में एक छोटी बच्ची के साथ हुए यौन उत्पीड़न और हत्या के मामले का लेकर जेम्स ने एक वीडियो जारी किया था. इस वीडियो में उसने मुख्यमंत्री विजय के लिए बेहद अश्लील भाषा का प्रयोग किया. इस वीडियो के सामने आने के बाद 'तमिलनागु वेट्री कडगम' पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी और गुस्सा है.

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद, पलयमकोर्ट्स पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर ने खुद संज्ञान लेते हुए जेम्स के खिलाफ कानून की कार्र धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने उस पर जानबूझकर अपमान करने, झूठी अफवाहें फैलाने, धमकी देने

और धर्म, जाति या भाषा के आधार पर नफरत फैलाने वाली धाराओं के तहत कसे दर्ज किया है। इसके बाद, पुलिस ने उससे कड़ी पूछताछ की। जांच पूरी होने के बाद जेम्स को गिरफ्तार कर लिया गया और सोमवार 25 मई को कोर्ट में पेश किया गया जहाँ उसे उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जेम्स एक कप्तान ईजीनियरिंग ग्रेजुएट और बड़ी-बड़ी मल्टी नेशनल कंपनियों में काम कर चुका है। वह डीएमके (द्रष्टा) पार्टी का कार्यकर्ता भी बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के रूप में विजय के पद संभालने के बाद से, उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियाँ करने के आरोप में यह पहली गिरफ्तारी है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि कुछ ही दिन पहले तमिलनाडु साइबर क्राइम पुलिस ने मुख्यमंत्री को खिलाफ अपमानजनक बातों फैलाने का हवाला देते हुए 'झू' (ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर 18 से अधिक अकाउंट्स और पोस्ट्स को ब्लॉक किया था।



नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद का समर्थन किया है।

सीजन के अपने आखिरी लीग-स्टेज मैच के बाद बोलते हुए अक्षर पटेल ने कहा कि हैदराबाद का विस्फोटक टॉप ऑर्डर उन्हें इस प्रतियोगिता की सबसे खतरनाक टीमों में से एक बनाता है और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्लेऑफ में उनके बल्लेबाजों का बल्ला चला तो उन्हें रोकना मुश्किल होगा।

अक्षर पटेल ने हैदराबाद का किया समर्थन- सनराइजर्स

बताया कौन बनेगा इस सीजन का विनर

हैदराबाद ने अपने लीग-चरण के आखिरी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 55 रनों की शानदार जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की की थी। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टेबल-टॉपर्स के खिलाफ खेलते हुए हैदराबाद ने इस सीजन का अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया और पाईंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रही थी। हैदराबाद अब 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के मुल्लनपुर स्टेडियम में एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा। दिल्ली के कप्तान



अक्षर पटेल ने स्टार स्पॉट्स पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हैदराबाद एक मजबूत टीम है और जब उसके टॉप तीन बल्लेबाज बन बनाते हैं तो वो एक जबरदस्त टीम नजर आते हैं और इस टीम के चैंपियन बनने का संभावना सबसे ज्यादा है। आपको बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 को 14 मैचों में 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर अपने अभियान को समाप्त किया। टूर्नामेंट के बीच में टीम के प्रदर्शन में भारी गिरावट आई और वे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए समय रहते वापसी करने में नाकाम रहे। हालांकि दिल्ली ने सीजन के अपने

आखिरी तीन मैच जीतकर सीजन का समापन अच्छे तरीके से किया, लेकिन ये टीम प्लेऑफ में लगातार 5वें साल भी नहीं पहुंच पाई। दिल्ली के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए अक्षर पटेल ने माना कि उनकी टीम टूर्नामेंट के दौरान अहम मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही। अक्षर ने कहा कि आपको अपनी गलतियां माननी पड़ती हैं और तभी आप समझ पाते हैं कि आप और क्या बेहतर कर सकते हैं। एक-दो मैचों में हार-जीत तो चलती रहती है। हमने अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन अगर हमने एक-दो मैचों में अहम मौकों को भुनाया होता, तो आज हालात कुछ और होते।

वैभव सूर्यवंशी का नया लक्ष्य

अब निशाने पर क्रिस गेल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड



जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेहद बड़ा बयान देकर क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। 15 साल के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा है कि उनका लक्ष्य टी20 क्रिकेट में पहला दोहरा शतक लगाने का है। वैभव ने साफ कहा कि वह वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल का 175 रन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। फिलहाल टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर गेल के नाम दर्ज है।

केविन पीटरसन के शो में किया बड़ा खुलासा – वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के यूट्यूब शो 'द स्विच' में नजर आए। इस दौरान पीटरसन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अपनी फिफ्टी सेलिब्रेट करना पसंद है? इस पर वैभव ने जवाब दिया, मुझे 50 रन सेलिब्रेट करना ज्यादा पसंद है। मैं जून 20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। मैं क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आईपीएल में बना चुके हैं कई रिकॉर्ड – पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर आईपीएल इतिहास का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया था। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने आईपीएल करियर की शुरुआत पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर की थी और तभी से लगातार रिकॉर्ड तोड़ते आ रहे हैं।

विनेश फोगाट के एशियन गेम्स खेलने की गारंटी नहीं

लांग लिस्ट में नाम नहीं, ट्रायल जीतीं तो भी ओसीए करेगा अंतिम फैसला; हाईकोर्ट से राहत मिली

पंचकुला (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर ट्रायल में हिस्सा लेने की छूट के बाद भी रैसलर विनेश फोगाट के जापान में एशियन गेम्स-2026 खेलने की गारंटी नहीं है। 19 सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भेजी गई संभावित खिलाड़ियों (लांग लिस्ट) में विनेश का नाम नहीं है। भारतीय कुश्ती फेडरेशन की ओर से इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशनको भेजी सूची में इस रैसलर का नाम नहीं था। आईओसी ने यही लिस्ट आगे एशियन ओलिंपिक परिषद और जापान की आयोजन समिति को भेजी। ऐसे में अब ओसीए के रुख पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 मई को फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि मातृत्व को किसी महिला खिलाड़ी के खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता।

आज दमदार सनराइजर्स के खिलाफ रॉयल्स को

सूर्यवंशी और आर्चर पर भरोसा

मुझापुर (एजेंसी)। अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की मौजूदगी से बेहद मजबूत नजर आ रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी की तो उसे 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी और तेज तर्रार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स की टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी लेकिन उसने दूसरे चरण में लय हासिल कर ली।

नियमित कप्तान पैट कर्मिस के आने से भी टीम को काफी फायदा हुआ, क्योंकि उसने अपने इन आखिरी सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था और इस तरह से कर्मिस और उनकी टीम को बहुत अधिक दबाव वाले नॉकआउट मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। रॉयल्स के कप्तान रियाग पराग ने खुद स्वीकार किया कि उनकी टीम को लीग चरण के आखिरी दिन तक इंतजार करने से बहुत पहले ही क्रालीफाई कर लेना चाहिए था, लेकिन अब जबकि टीम वहां पहुंच गई है तब वह आगे बढ़ने के लिए बेताब होगी। रॉयल्स के शीर्ष क्रम में सूर्यवंशी (583 रन), यशस्वी जायसवाल (397) और ध्रुव जुरेल (458) ने सर्वाधिक रन बनाए हैं।



सनराइजर्स की तरफ से भी शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा (563 रन), ट्रेविस हेड (393) और ईशान किशन (569) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन नंबर चार पर बल्लेबाजी करने वाले हैनरिक क्लासेन (606) का विशेष रूप से उल्लेख करना जरूरी है, क्योंकि उन्होंने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विस्फोटक क्षमता के बावजूद जायसवाल और हेड के प्रदर्शन में उतनी निरंतरता नहीं रही है जितना वे चाहते थे। सनराइजर्स यकीनन टूर्नामेंट की सबसे आक्रामक टीम है और इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं थी कि रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा से विपक्षी टीम के शीर्ष चार बल्लेबाजों से निपटने की उनकी

रणनीति के बारे में पूछा गया। संगकारा ने कहा, उनकी टीम बहुत अच्छी है और वह बहुत अच्छे बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें खुद पर भरोसा है कि वे खुलकर खेलेंगे और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में ऐसा ही किया है। हमें वास्तव में अपनी लय बनाए रखनी होगी। अनुशासित रहना होगा और यह समझना होगा कि वह ऐसी टीम नहीं है जिसे आप 120 या 130 रन पर रोक सकते हैं। हमें अपनी लाइन और लेंथ को लेकर आक्रामक रहना होगा। श्रीलंका के इस दिग्गज को उम्मीद होगी कि पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले आर्चर एक बार फिर मैच विजेता प्रदर्शन करेंगे, जैसा कि उन्होंने वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में किया था।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद – ट्रेविस हेड, ईशान किशन, हैनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कर्मिस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, सलिल अरोड़ा, साकिब हुसैन, अमित कुमार, प्रफुल्ल हिगे, केन्स फुलेड़ा, लियाम लिंगिंगस्टोन, शिवांग कुमार, ओंकार तरमाले, दिलशान मद्रुशंका, गेराल्ड कोएल्जी, आरएस अंबरीश।

राजस्थान रॉयल्स – शुभम दुबे, शिमरोन हेतमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियाग पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनेवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांदे बर्गर, तुषार देशपांडे, छेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरकर, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, विनेश पुथुर, अमन राव पेराला, ब्रिजेश शर्मा, एडम मिल्ले, कुलदीप सेन, दासुन शानाका, यशराज पुंजा, इमानजोत सिंह व्हल।

समय-शाम 7.30 बजे

आईपीएल में 6 फेंचाइजियों के लिए खेल चुके स्पिनर मुरुगन अश्विन ने क्रिकेट को कहा अलविदा



चेन्नई (एजेंसी)। 35 वर्षीय भारतीय स्पिनर मुरुगन अश्विन ने घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। मुरुगन ने 25 मई को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए अपने करियर को अलविदा कहा। हालांकि उन्होंने साफ किया कि वह आगे भी दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते रहेंगे।

सोशल मीडिया पर किया संन्यास का ऐलान – मुरुगन अश्विन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया और यही खेल उन्हें आज इस मुकाम तक लेकर आया। उन्होंने कहा कि छह साल की उम्र से क्रिकेट उनके जीवन का अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने लिखा, मैं घरेलू क्रिकेट और आईपीएल करियर को अलविदा कहने का फैसला कर चुका हूं। हालांकि मैं नए अवसरों और चुनौतियों की तलाश जारी रखूंगा और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलता रहूंगा।

इंटरमियामीने फिलाडेल्फिया को 6-4 से हराया

सुआरेज की हैट्रिक

मियामी । इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन एक्शन में फिलाडेल्फिया यूनिनयन के खिलाफ 6-4 से रोमांचक दर्ज की। लुइस सुआरेज की हैट्रिक, जर्मन बर्टराम के दो गोल और मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के एक गोल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रेक से पहले मियामी की इस रेगुलर सीजन में चौथी जीत दिलाई। मैच की शुरुआत फिलाडेल्फिया ने शानदार अंदाज में की और चौथे मिनट में ही पहला गोल किया। इसके बाद 10वें मिनट में फिलाडेल्फिया ने दूसरा गोल दागते हुए मैच में अपनी बढ़त को 2-0 कर दिया। इंटर मियामी ने 13वें मिनट में पहला गोल किया। बर्टराम ने बॉक्स के अंदर मेसी के सटीक अस्सिट का फायदा उठाते हुए पास से गोल किया। इंटर मियामी की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोल बर्टराम का इस रेगुलर सीजन में छठा गोल था, जबकि मेसी का यह सातवां अस्सिट रहा। मेहमान टीम ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा और स्कोरलाइन 1-3 कर दी। हालांकि, सुआरेज ने इंटर मियामी की वापसी कराई और मैच के 29वें मिनट में शानदार सही व्यक्ति है। पराग ने आईपीएल 2024 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था लेकिन इससे पहले अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्हें 2024 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के चलते उसी साल उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली, जब बर्टराम ने इस रेगुलर सीजन में अपना सातवां और इंटर मियामी के लिए



जीत पर मुहर लगा दी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रेक से टीक पहले इंटर मियामी ने लगातार चौथी जीत हासिल करते हुए 6-4 की स्कोरलाइन मैच के अंत तक बनाए रखी।

अपना पहला गोल किया। मेसी ने बॉक्स के ऊपर से बर्टराम को शानदार पास दिया, जिसके बाद मैक्सिको के खिलाड़ी ने पहली बार दाहिने पैर से फिनिश करते हुए बॉल को नेट में डाल दिया।

इसके बाद मेजबान टीम ने 44वें मिनट में ब्रेक से टीक पहले मैच में पहली बार बढ़त हासिल की। सुआरेज ने डी पॉल के शुरुआती प्रयास के बाद पास से गोल किया। हालांकि, फिलाडेल्फिया ने स्टॉपिंग टाइटम के आठवें मिनट में चौथा गोल करते हुए स्कोर को 4-4 से बराबर कर दिया। इंटर मियामी ने 81वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल की। बर्टराम का पहला शॉट बॉक्स के अंदर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने गोल के सामने सुआरेज को पास दिया और सुआरेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और अपनी हैट्रिक पूरी की।

सुआरेज ने अब तक इस रेगुलर सीजन में 6 गोल किए हैं, जबकि बर्टराम ने 4 अस्सिट दिए हैं। मेजबान टीम के लिए छठा गोल डी पॉल ने किया और टीम की जीत पर मुहर लगा दी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रेक से टीक पहले इंटर मियामी ने लगातार चौथी जीत हासिल करते हुए 6-4 की स्कोरलाइन मैच के अंत तक बनाए रखी।

लेकिन कुछ समय बाद ही कंधे की पुरानी चोट के लिए उनकी सर्जरी हुई, जिस कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम से बाहर होना पड़ा। भारत की टी20 टीम में प्रत्येक जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और ऐसे में पराग को अभी तक टीम में वापसी का मौका नहीं मिला है। रॉयल्स के शीर्ष प्रबंधन को उन पर इतना भरोसा था कि संजु सैमसन के जाने के बाद ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अच्छा अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के बजाय उन्हें कप्तानी सौंप दी गई। आईपीएल के वर्तमान सत्र में भी पराग को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआती चरण में वह रन

बनाने के लिए जुड़ रहे थे। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम में वेंपिंग (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का उपयोग) करते हुए पकड़े जाने के बाद उन्हें हर तरफ से ट्रोले किया गया। राजस्थान रॉयल्स की टीम जब अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी तब पराग ने टीम के खराब प्रदर्शन को खुलकर स्वीकार किया। इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों पर कथित तौर पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के लिए कमेंटेटों और विशेषज्ञों की जमकर आलोचना की।

मुंबई के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में जिस तरह से पराग ने गेंदबाजी में बदलाव किए उससे आलोचक भी उनके मुरीद बन गए। उनके रणनीतिक बदलाव से राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीत कर प्लेऑफ में जगह

बनाने में सफल रहा। पराग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करते हैं और मैच के बाद की उनकी टिप्पणियां इसका सटीक उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, मैंने इस सत्र में कई साहसिक फैसले लिए हैं। मुझे नेतृत्व करना पसंद है। मैं असम का नेतृत्व करती हूँ। आपका जोखिम उठाना होगा, यह कोई जुआ नहीं है।

पराग के पिता प्रथम श्रेणी के क्रिकेटर रहे हैं और उनकी मां भारतीय तेराक हैं। जब वह महज 16 महीने के थे, तभी उन्होंने अपने हाथों में प्लास्टिक का बल्ल पकड़ लिया था। पराग ने इस तरह से इतना तो सुनिश्चित कर ही दिया है कि वह अगले साल भी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान बने रहेंगे।

अनुभवी भारतीय ओलंपियन तीरंदाज श्याम लाल मीणा का निधन



बांसवाड़ा (राजस्थान) (एजेंसी)। भारत के शुरुआती ओलंपिक तीरंदाजों में से एक और ओलंपिक खेलों में देश की पहली तीरंदाजी टीम के सदस्य रहे श्याम लाल मीणा का रविवार रात लंबी बीमारी के बाद 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मीणा ने एक अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उनका इलाज चल रहा था। पिछले कुछ वर्षों से वे कथित तौर पर लिवर से जुड़ी समस्याओं से जुड़ा रहे थे। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के केवांडिया गांव में 4 मार्च 1965 को मीणा ने साधारण शुरुआत से आगे बढ़ते हुए भारतीय तीरंदाजी के शुरुआती मशालवाहकों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शुरुआत में पारंपरिक बांस के धनुष से प्रशिक्षण लिया, जिसके बाद उन्हें सरकार की स्पेशल एरिया गेम्स योजना के माध्यम से पहचान मिली; इस योजना ने उनकी प्रतिभा को निखारने में मदद की। मीणा भारतीय पुरुषों की रिकर्व टीम का हिस्सा थे जिसमें उनके साथ जाने-माने तीरंदाज लिंबा राम और रजत हलदर भी शामिल थे। इस टीम ने 1987 में कोलकाता में आयोजित एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था जिसे तीरंदाजी के क्षेत्र में भारत का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय पदक माना जाता है।

100 दिवस से अधिक की कोई शिकायत नहीं रहे लंबित

सीएम हेल्प लाइन की शिकायत किसी लेबल पर नहीं रहे नॉन अटेण्ड

कलेक्टर ने की मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के बिन्दुओं पर चर्चा

मैहर। कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि सीएम हेल्प लाइन में कोई भी शिकायत 100 दिवस से ऊपर लंबित नहीं रहनी चाहिए। इसी प्रकार कोई भी शिकायत किसी भी स्तर पर नॉन अटेण्ड नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर मैहर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सीएम हेल्प लाइन और मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की समीक्षा के विभिन्न एजेण्डा बिन्दुओं पर जिला अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर रही थी। इस अवसर पर डीएफओ विद्या भूषण मिश्रा, सीईओ जिला



पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एस.पी.मिश्रा, आरती सिंह, दिव्या पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज शुक्ला, आर.टी.ओ. संजय श्रीवास्तव, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव

सिंह, कार्यपालन यंत्री लाजरूस केरकेट्टा, सीईओ जनपद वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, भारती दीक्षित, सीएमओ प्रिंस अग्रवाल, सुषमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के एजेण्डा बिन्दुओं के आधार पर विभागवार योजनाओं और

कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री और ई-विकास पोर्टल पर कम प्रगति पाये जाने पर उप संचालक कृषि, एसडीएम तहसीलदार पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। जल गंगा सर्वबंधन अभियान बलराम तालाब शहरी, ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना, सुशासन वनाधिकार के दावों का वन मित्र पोर्टल पर सत्यापन और वृक्षारोपण की कार्य योजना की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि वन विभाग और सीईओ जनपद आगामी बरसात में अधिक से अधिक वृक्षारोपण कराने की कार्य योजना बनाएँ। अगली टीएल से पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों को भी बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रमोदय मॉडल आईटीआई नीलबड भोपाल में प्रवेश शुरू

पंजीकृत श्रमिकों के आश्रितों को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

सतना। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीकृत हितप्राप्तियों के आश्रितों के लिए संचालित श्रमोदय मॉडल आईटीआई, नीलबड भोपाल में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संस्थान में चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें हॉस्टल सुविधा भी शामिल है। संस्थान में युवाओं को रोजगारपरक एवं तकनीकी शिक्षा देने के उद्देश्य से विभिन्न ट्रेड

संचालित किए जा रहे हैं। एक वर्षीय पाठ्यक्रमों में वेल्डर, आईओटी टेक्नीशियन (स्मार्ट सिटी), फैशन डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी तथा इंटीरियर डिजाइन एंड डेकोरेशन शामिल हैं। वहीं दो वर्षीय पाठ्यक्रमों में इलेक्ट्रीशियन, सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट, टेक्नीशियन मेकट्रॉनिक्स और एडवांस सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियन संचालित किये जा रहे हैं। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग ने बताया कि प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है, जबकि वेल्डर

ट्रेड हेतु 8वीं पास अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को अंकसूची, आधार कार्ड, समग्र आईडी, मूल निवासी, जाति एवं आय प्रमाण पत्र सहित पासपोर्ट आकार फोटो और पंजीयन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। प्रवेश के लिए यह भी आवश्यक है कि अभ्यर्थी या उसके माता-पिता का मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पोर्टल पर पंजीयन हो। अधिकारी जानकारी हेतु वेबसाइट पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक में कार्य योजना पर चर्चा

मैहर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज प्रतिष्ठान मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में संपन्न जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना के कार्य एवं चालू वित्तीय वर्ष में प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस मौके पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, डीएफओ विद्याभूषण मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्वेतांक चौरसिया, संतोष सोनी भी उपस्थित रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई को

सतना। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, संचालनालय के निर्देशानुसार 31 मई 2026 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जायेगा। इस दौरान जिले में मद्यपान मादक पदार्थों, नशीली दवाइयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं को अवगत कराने, नशामुक्ति के लिए जनजागृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 सतीश कुमार एस. ने पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, जेल अधीक्षक, जिला आयुष अधिकारी, प्राचार्य पॉलीटेक्निक विद्यालय, प्राचार्य आई.टी.आई., जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा अशासकीय संस्थाओं को 31 मई 2026 को विश्व तम्बाखू दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 160 आवेदकों की समस्यायें

सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 160 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक



आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एल.आर. जांगडे और डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं।

4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

सतना। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत आपदा से पीड़ित व्यक्ति के परिजन को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर (शहरी) द्वारा तहसील रघुराजनगर शुक्ला बरदाडीह निवासी पवन कुमार चौधरी के पुत्र की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

डाक विभाग में डायरेक्ट एजेंट की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना। भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत संचालित इंडिया पोस्ट की प्रतिष्ठित बीमा योजनाओं पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) एवं रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (आरपीएलआई) के व्यवसाय विस्तार के लिए डाक संभाग सतना में प्रत्यक्ष अधिकर्ता (डायरेक्ट एजेंट) की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना ने बताया कि चयन हेतु साक्षात्कार 29 मई 2026 को प्रातः 11 बजे से कार्यालय अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना में आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की

गई है तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही बीमा या मार्केटिंग का अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता मिलेगी। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड/पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं अनुभव प्रमाण पत्र (यदि हो) की मूल एवं स्वप्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। चयनित अधिकर्ताओं का कार्य पीएलआई एवं आरपीएलआई योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं व्यवसाय अर्जन करना होगा। अधिक जानकारी के लिए विकास अधिकारी (डाक जीवन बीमा), डाक संभाग सतना से मोबाइल नंबर 9621787969 पर संपर्क किया जा सकता है।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 103 आवेदन



मैहर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 103 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम मैहर श्रीमती दिव्या पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाह ठेकेदारों पर गिरी गाज, बैंक गारंटी जल्द से लेकर ब्लैकलिस्ट तक की कार्यवाही

पन्ना। पन्ना लोक निर्माण विभाग संभाग पन्ना में सड़क निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर अब सख्ती का दौर शुरू हो गया है। तय समयसीमा में गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने को लेकर कार्यपालन यंत्री जे.पी. सोनकर द्वारा लगातार कड़ी से कार्रवाई की गई है। इनमें बैंक गारंटी राजसात करना, अनुबंध समाप्त और ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यपालन यंत्री द्वारा 8 लापरवाह ठेकेदारों की बैंक गारंटी (सुरक्षा निधि) राजसात कर संबंधित बैंकों से जमा राशि पीडब्ल्यूडी खाते में

अंतरित करा दी गई है। विभाग द्वारा जिन कार्यों में यह कार्रवाई की गई उनमें मोहनदा-रैपुरा मार्ग के नवीनीकरण कार्य में मेसर्स श्री विल्डअप प्राइवेट लिमिटेड छतरपुर की 11 लाख 11 हजार 847 रुपये, अमानगंज-गुनौर-सुवंशा मार्ग के नवीनीकरण कार्य में मेसर्स व्ही.एस. कंस्ट्रक्शन सतना की 15 लाख 31 हजार 686 रुपये, शाहनगर-हरदुआ-ठेवा बोरी मार्ग के मजबूतीकरण कार्य में मेसर्स पूजाबोर वेल्स की 12 लाख 91 हजार रुपये, मोहनदा-गोल्ही-पलोही मार्ग की ठेका कंपनी मेसर्स आरएसव्ही ईंपरा तथा कृष्णा कल्याणपुर से दहलानचौकी वाया रानीपुर मार्ग के नवीनीकरण कार्य में मेसर्स जयमहाकाल कंस्ट्रक्शन की 8 लाख 96 हजार 168 रुपये की सुरक्षा निधि राजसात की गई है। इसके अलावा सुनहरा पहुंच मार्ग, गांधीग्राम पहुंच



मार्ग तथा गांधीग्राम से रानीपुर पहुंच मार्ग के कार्यों में ठेकेदार संतोष कुमार गुप्ता की भी बैंक गारंटी राशि राजसात की गई है। इस तरह अब तक कुल 8 ठेकेदारों की 50 लाख 39 हजार 171 रुपए की बैंक गारंटी राशि राजसात की गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक संबंधित ठेकेदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि तय समयसीमा में कार्य पूर्ण नहीं किए गए तो विभाग शेष कार्यों के लिए नई निविदाएं जारी करेगा तथा भुगतान संबंधित ठेकेदारों की सुरक्षा निधि से किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस

कार्रवाई का सीधा असर संबंधित फर्मों की साख और भविष्य के अनुभव प्रमाण-पत्रों पर पड़ेगा। यही वजह है कि बैंक गारंटी राजसात होते ही कई ठेकेदार अंधरे पड़े कार्यों को पूरा करने में जुट गए हैं। इसी प्रकार आठ संविदाकारों के अनुबंध भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए गए थे। इनमें किन्ना मेन रोड से महोड़कला एवं तिमरा करिया पटना मार्ग, नंदचांद नयाखेड़ा मार्ग, कल्दा-बखीन से गुवरदा एवं कल्दा-बखीन से मगरदा मार्ग, गुमानगंज से चंदला मार्ग, धरमपुर-परनियापुरवा एवं हरनामपुर रोड से गड़ियनपुरवा मार्ग, ग्राम करिया से महोड़कुर मार्ग, सारंग मंदिर से किन्दा मार्ग तथा नगांव से पंचमपुर मार्ग के निर्माण कार्य शामिल थे। इन कार्यों से जुड़े संविदाकारों में मेसर्स रवि कंस्ट्रक्शन कंपनी रोवा, मेसर्स साई

इंफ्रा पन्ना, मेसर्स सिंह कंस्ट्रक्शन सूरना, मेसर्स आर.के. ट्रेडर्स प्रोप्राइटर ऋषिकांत नागाच पवई जिला पन्ना तथा मेसर्स मोदी इंफ्रास्ट्रक्चर जतारा जिला टीकमगढ़ जैसी फर्म शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई ने लापरवाह ठेकेदारों को हिलाकर रख दिया। बाद में अधीक्षण यंत्री कार्यालय नौगांव में गुहार लगाने और कार्यों को गति देने लिखित आश्वासन के बाद कुछ अनुबंध पुनर्जीवित कर दिए गए। अब संबंधित ठेकेदारों द्वारा अंधरे पड़े कार्यों को तेजी से पूरा कराने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। विभागीय हलकों में चर्चा है कि यदि समय रहते तकनीकी अधिकारियों के निर्देशों को गंभीरता से लिया जाता तो ठेकेदारों को इस तरह की अप्रिय स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता इसके अलावा कार्यपालन यंत्री द्वारा 9 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

शशिकांत दीक्षित पुनः जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नियुक्त

पन्ना। पन्ना प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी 52 सदस्यीय सूची में स्थानीय कांग्रेस नेता शशिकांत दीक्षित सरदार जी को पुनः जिला कांग्रेस कमेटी, पन्ना का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि शशिकांत दीक्षित अपने पूजनीय पिता स्व. सुधाकर दीक्षित सुदू, भैया की विचारधारा और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय और समृद्धि की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नेताओं ने दीक्षित की संगठनात्मक कुशलता और क्षेत्रीय पकड़ को पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया।

आरक्षक मनोज पटेल एवं भूरी सिंह द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस अधीक्षक ने नगद राशि देकर किया सम्मानित



पन्ना। पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना में पदस्थ आरक्षक मनोज पटेल तथा भूरी सिंह द्वारा अपराधों के संकलन अपराधियों को पकड़वाने तथा महत्वपूर्ण सूचनाओं का संकलन करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर एवं नगद 2100 रूपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करने का



उद्देश्य अन्य कर्मचारियों के लिए संदेश देना है कि विभाग के लिए तथा आम जनता के बीच अच्छा कार्य करें जिससे इसी प्रकार सम्मान के पात्र बने दोनों आरक्षकों को सम्मानित किए जाने पर विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ईष्ट मित्रों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कौवासेहा के जंगल में तेंदुए का मिला कंकाल

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व अंतर्गत बफर रेंज में एक तेंदुआ का पुराना कंकाल बरामद हुआ है वन विभाग की टीम द्वारा मामले की जानकारी फॉरेस्ट अधिकारियों को दी गई जानकारी मिलते हैं वन अधिकारी तथा डॉंग स्कैंड की टीम द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया तथा पुराना कंकाल जस किया संबंधित मामले की जांच की जा रही है आखिर किन परिस्थितियों में तेंदुआ का कंकाल मिला है।

सांसद विधायक की उपस्थिति में महाराज सागर तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

पन्ना। पन्ना गंगा दशहरा के पावन अवसर पर पन्ना में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ सांसद बी डी शर्मा विधायक भजन प्रताप सिंह की उपस्थिति में हुआ जिसमें अन्य लोगों ने भी अपनी सहभागिता निभाई जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना कार्यक्रम का उद्देश्य है। महाराज सागर तालाब में आयोजित जिला स्तरीय श्रमदान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शामिल वीडी शर्मा और बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने जल बचाने को भविष्य बचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान



किया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविवार को नगर पालिका क्षेत्र महाराज सागर तालाब में जिला स्तरीय भव्य श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। गंगा दशहरा के अवसर पर हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर जल संरक्षण और

पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने श्रमदान में भाग लेते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा, तालाब, कुएं और नदियां केवल जल स्रोत नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान हैं। यदि जल समाप्त हुआ तो भविष्य भी संकट में पड़ जाएगा।

पन्ना में ऑटो की बैटरी चोरी, पीड़ित ने चौकी प्रभारी से लगाई न्याय की गुहार

पन्ना। पन्ना शहर में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला पन्ना के इंदरपुरी कॉलोनी क्षेत्र का है, जहां एक निजी ऑटो वाहन की बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पंचमलाल नामदेव ने पुलिस चौकी पन्ना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार 24 मई 2026 को कलेक्ट्रेट परिसर इंदरपुरी कॉलोनी में खड़े उनके ऑटो वाहन क्रमांक एमपी 35 जेडबी 8248 की बैटरी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। पीड़ित ने बताया कि इससे पहले भी उनके वाहन को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। पीड़ित ने चौकी प्रभारी से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बराछ में भारी लापरवाही खाताधारकों ने किया हंगामा

पन्ना। पन्ना विकासखंड क्षेत्र की मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की बराछ शाखा एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। खाताधारकों ने बैंक प्रबंधन पर दोहरी निति, भ्रष्टाचार और गरीब हितप्राप्तियों को प्रताड़ित करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला इतना बढ़ गया कि नाराज महिलाओं ने बैंक शाखा के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और शाखा प्रबंधक से सीधा जवाब मांगा। लेकिन जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो शिकायत मुख्य शाखा छतरपुर और 181 हेल्पलाइन तक पहुंचा दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बैंक में जिसकी पहुंच और पैसा, उसका काम आसान वाली व्यवस्था चल रही है। जबकि गरीब और जरूरतमंद खाताधारकों को बार-बार दस्तावेजों के नाम पर परेशान किया जाता है। महिलाओं का कहना है कि खाते पर होल्ड



लगाकर योजनाओं की राशि तक रोक दी जाती है। ग्राम बखरी की महिला सुधा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लिया गया लोन अधिकांश जमा कर दिया गया था, लेकिन बीमारी के कारण कुछ राशि शेष रह गई। इसके बाद बैंक ने खाते पर होल्ड लगा दिया। महिला का कहना है कि उसने बैंक द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज जमा किए, फिर भी खाते से होल्ड नहीं हटाया गया और उसे लगातार चक्कर कटवाए जाते रहे। वहीं दूसरी ओर, उसी गांव की महिला हुक्म बाई ने खुलकर बताया कि उसके मामले में पूर्व शाखा प्रबंधक ने बिना परेशानी होल्ड खोल दिया था, जिससे उसे लाड़ली बहना योजना की राशि मिलने लगी। अब सवाल यही उठ रहा है कि आखिर एक ही बैंक में दो अलग-अलग नियम क्यों लागू किए जा रहे हैं? ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बराछ शाखा में लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। लोगों

का कहना है कि गरीब हितप्राप्तियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और योजनाओं के नाम पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि यदि जांच ईमानदारी से हुई तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में इसी शाखा में विवाद इतना बढ़ गया था कि एक शाखा प्रबंधक पर गोली चलने जैसी घटना तक सामने आ चुकी है। अब सवाल यह है कि क्या ग्रामीण बैंकों में गरीबों को राहत देने के बजाय उन्हें व्यवस्था के नाम पर उलझाया जा रहा है? क्या योजनाओं का लाभ भी अब सिफारिश और सेटिंग से तय होगा? बराछ बैंक विवाद ने एक बार फिर ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

जिले भर में नगरीय निकायों तथा पंचायतराज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री अरूण पाण्डेय सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की निगरानी की जा रही है।



जल संरक्षण में योगदान भावी पीढ़ी के जीवन बचाने का प्रयास है

स्कूल भवनों तथा छात्रावासों की साफ-सफाई एवं सुधार कराएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। जल संरक्षण में योगदान भावी पीढ़ी के जीवन बचाने का प्रयास है। धरती की कोख में पानी और धरती पर हरियाली रहने पर ही जीवों और पौधों का जीवन सुरक्षित रहेगा। जल का संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी अधिकारी और कर्मचारी सप्ताह में केवल दो घंटे श्रमदान करके जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों में अतुलनीय योगदान दे सकते हैं। अभियान के दौरान शासकीय भवनों में रूफ हावैस्टिंग सिस्टम लगाने तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट लगाने के कार्य प्राथमिकता



से कराएं। जल संरक्षण के सभी प्रयासों की जानकारी अभियान के पोर्टल पर अद्यतन दर्ज कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक शिक्षा स्कूल खुलने से पहले स्कूल भवनों और छात्रावासों की साफ-सफाई तथा आवश्यक होने पर सुधार कार्य कराएं। छात्रावासों में पानी, प्रकाश, साफ-सफाई, भोजन और शौचालय की समुचित व्यवस्था

करें। ई आफिस में रीवा संभाग पिछले आठ महीने से प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। सभी फाइलें और पत्र ई आफिस के माध्यम से ही भेजें। मैहर, मऊगंज और सतना जिले में ई आफिस व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। अधीनस्थ अधिकारियों से समस्त कार्य ई आफिस के माध्यम से ही संचालित कराएं। सीएम हेल्पलाइन में मई माह की रैंकिंग

में सभी अधिकारियों ने अच्छे प्रयास किए जिससे सभी जिले ए ग्रेड में थे। सभी विभाग भी संतुष्टिपूर्वक आवेदन पत्र निराकृत करके लगातार ए ग्रेड में रहे। राजस्व, गृह, खाद्य, श्रम, ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य तथा पीएचई विभाग के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी संभागीय समीक्षा बैठक के निर्देशों पर समुचित कार्यवाही करके एक सप्ताह में पालन प्रतिवेदन आनलाइन दर्ज कराएं। इसी तरह कमिश्नरस कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं पर भी समुचित कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करके स्टापडैमों के गेट खुलवा दें। जिन स्थानों पर निस्तार

और पेयजल के लिए स्टापडैम के पानी का उपयोग किया जा रहा है वहाँ के गेट बंद रहने दें। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में रूफ हावैस्टिंग सिस्टम लगाने तथा पोषण वाटिका निर्माण के संबंध में दिए गए निर्देशों का जिलेवार प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। अधीक्षण यंत्री पीएचई हैण्डपंपों तथा नलजल योजनाओं के सुधार की विकासखण्डवार जानकारी प्रतिदिन दें। पेयजल के संबंध में प्रास शिकायतों का तत्काल निराकरण कराएं। आपूर्ति नियंत्रक उपार्जित गेहू का तत्काल परिवहन और सुरक्षित भण्डारण कराएं। जिन केन्द्रों में एक भी पंजीकृत किसान शेष नहीं है उन केन्द्रों को बंद कराएं। महाप्रबंधक एमपीआरडीसी रीवा बाईपास पुल से 31 मई तक हरहाल में आवागमन शुरू करा दें।

मुख्य सचिव आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग से करेंगे समीक्षा

रीवा। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन 27 मई को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभाग, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, नगरीय विकास, सुशासन, कानून और व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, पशुपालन तथा जलगंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की जाएगी। बैठक में गेहू उपार्जन, आपदा प्रबंधन की तैयारी, नशामुक्ति अभियान, अवैध उत्खनन पर कार्रवाई, जलाशयों में पर्यटकों की सुरक्षा, खाद और बीज की उपलब्धता तथा वितरण एवं वनाधिकार पट्टे के संबंध में की गई कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संभागीय अधिकारियों को कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र तथा जिला अधिकारियों को कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से बैकक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं।

ट्रांसफार्मर तथा विद्युत लाइनों की सुरक्षा की अपील

रीवा। मुख्य अभियंता पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रमा पाण्डेय ने बिजली की नियमित आपूर्ति के लिए आमजनता से ट्रांसफार्मर तथा विद्युत लाइन में सुरक्षा में सहयोग की अपील की है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा है कि लगातार अधिक तापमान के कारण बिजली की लाइनों तथा ट्रांसफार्मरों में बिजली की आपूर्ति का दबाव रहता है। ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों में फेंस बदलने और अवैध रूप से कनेक्शन के कारण शार्ट सर्किट और आग लगने की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। बिजली के खंभों में मवेशी बांधने, बिजली की लाइन तथा ट्रांसफार्मर के नीचे और आसपास कचरा तथा खरपतवार रखने से हमेशा दुर्घटना की आशंका रहती है। अधिक तापमान में शार्ट सर्किट होने पर कई बार ट्रांसफार्मर और लाइनों से चिंगारी निकलती है। आसपास कचरा और खरपतवार होने से इससे आग लग सकती है। मुख्य अभियंता ने कहा है कि शार्ट

सर्किट से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रांसफार्मर तथा विद्युत लाइनों के आसपास ज्वलनशील सामग्री न रखें। इनके आसपास आग लगाने, भोजन बनाने तथा अन्य ज्वलनशील गतिविधि न करें। बिजली की नियमित आपूर्ति के लिए मेट्रीनैस का कार्य लगातार किया जा रहा है। ट्रांसफार्मरों और बिजली की लाइनों की सुरक्षा में आमजनता सहयोग करें। बिजली के खंभे मवेशी न बांधें। ट्रांसफार्मर और बिजली लाइन के आसपास खरपतवार तथा ज्वलनशील पदार्थ न रखें। बिजली की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा आने पर हेल्पलाइन नम्बर 1912 में शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत को दूर करने के लिए मैदानी अमला तत्परता से कार्यवाही करेगा। बिजली का मितव्ययितापूर्वक उपयोग करें। जिन कमरों में जाने की आवश्यकता न हो वहाँ के पंखे, कूलर, एसी आदि बंद कर दें।

रीवा संभाग में अब तक 609437 मीट्रिक टन हुई गेहू की खरीद

संभाग के 108113 किसानों को किया गया 799 करोड़ का भुगतान

रीवा। रीवा संभाग में 26 मई तक 108113 किसानों से 609437 मीट्रिक टन गेहू की खरीद की गई है। उपार्जित गेहू का किसानों के बैंक खाते में लगातार भुगतान किया जा रहा है। अब तक संभाग के अन्नदाताओं को 799 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खाते में जारी कर दी गई है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग के रीवा जिले में 31915 किसानों से 156543 मीट्रिक टन गेहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को अब तक 248 करोड़

रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सतना जिले में 41437 किसानों से 285140 मीट्रिक टन गेहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 344 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सीधी जिले में 8094 किसानों से 32340 मीट्रिक टन गेहू का उपार्जन किया गया तथा किसानों को 43 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

इसी तरह सिंगरीली जिले में 7397 किसानों से 23966 मीट्रिक टन गेहू की खरीद की गई है। किसानों को 36 करोड़ रुपए

का भुगतान दिया जा चुका है। मऊगंज जिले में 4604 किसानों से 21431 मीट्रिक टन गेहू का उपार्जन किया गया है तथा 20 करोड़ रुपए किसानों को भुगतान किया गया है। मैहर जिले 14466 किसानों से 90018 मीट्रिक टन गेहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 108 करोड़ रुपए गेहू का भुगतान किया गया है। उपार्जित गेहू में से 70 प्रतिशत का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। संभाग में 28 मई तक गेहू का उपार्जन किया जाएगा।

जनसुनवाई में भरण पोषण अधिनियम के तहत कार्यवाही के निर्देश

रीवा। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने 652 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। लूक निवासी राजीव लोचन के अपने वारिसों द्वारा परवरिश न करने के आवेदन पर एसडीएम जवा को भरण पोषण अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने तमरी निवासी लाल जी पाठक के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिये लोक सेवा प्रबंधक को तथा बैंक में खाता खोलने के लिये अग्रणी जिला प्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर

प्रभारी कलेक्टर ने 652 आवेदकों की सुनी समस्यायें



कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम डॉ. अनुराग तिवारी तथा डिप्टी कलेक्टर राजेश सिन्हा ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में रामाधार नाई नरहा, महेन्द्र पटेल पिपरवार, अखिलेश द्विवेदी मनगवां, बृजेन्द्र शर्मा डेलही, कौशल प्रसाद पटेल टीकर तथा अरूण पाल गायत्री नगर रीवा के सीमांकन के आवेदनों को संबंधित तहसीलदार को प्रेषित कर तीन दिवस में कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार जुमड़निया निवासी रामानंद सिंह को

नक्शा सुधार करने, बांसी निवासी दिनेश सिंह के नक्शा तस्मीन व सीमांकन करने, भलुही निवासी अरूण पाण्डेय के रास्ता दिलाने, जामू निवासी श्यामलाल साहू के अतिक्रमण हटाने के आवेदनों में संबंधित तहसीलदार को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। जनसुनवाई में कोठार के धीरेन्द्र साकेत के धारणाधिकार पट्टा दिलाने के आवेदन पर एसडीएम हुजूर को तथा सेमरिया के रमाकांत द्विवेदी के इस्तलाबी कराने के आवेदन में एसडीएम सिरमौर को कार्यवाही करने के निर्देश प्रभारी कलेक्टर ने दिये। श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी विन्धेश्वरीय प्रसाद वर्मा के सेवानिवृति के उपरांत

प्राप्त हो रही पेंशन खाता को स्टेट बैंक द्वारा सीज किये जाने के आवेदन में जनसुनवाई करते हुए प्रभारी कलेक्टर ने स्टेट बैंक को खाता संचालन करने के निर्देश दिये। उन्होंने चमेली बाई साकेत निवासी अजगरहा के वृद्धावस्था पेंशन में रूकावट आने पर सीईओ जनपद रीवा को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। लोकेश्वर प्रसाद मिश्रा निवासी कुशहा के पेयजल समस्या का निराकरण करने के आवेदन पर पीएचई विभाग को तथा अतुल सिंह वहरौलिया निवासी गोविंददाढ़ के अल्टेरेि सहायता व संबल योजना का लाभ न मिलने के आवेदन पर नगर परिषद सीएमओ गोविंदगढ़ को समाधानकारक कार्यवाही हेतु प्रभारी कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया।

भीषण गर्मी में गांव-गांव पहुंचकर पीएचई की टीमें सुधार रही हैं हैण्डपंप

रीवा। रीवा जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और 42 से 45 डिग्री तापमान में तेज धूप सहन करते हुए पीएचई की टीमें बिगड़े हैण्डपंपों के सुधार का लगातार कार्य कर रही हैं। आमजनता को पेयजल संकट से राहत दिलाने के लिए हैण्डपंपों में अतिरिक्त राइजर पाइप लगाने तथा सिंगल फेज मोटर लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस



संबंध में एसडीओ पीएचई रायपुर कुर्चुलियान विकासखण्ड ने बताया कि रायपुर कुर्चुलियान विकासखण्ड

में पीएचई की टीमें लगातार हैण्डपंपों का सुधार कर रही हैं। गत दिवस ग्राम खुज, तमरादेश तथा अन्य ग्रामों में हैण्डपंपों के सुधार का कार्य किया गया। टीमों द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी पहुंचकर खराब हैंडपंपों को तत्काल सुधारने का कार्य किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है।

कमिश्नर ने आमजनता के आवेदनों में की सुनवाई

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में आमजनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी तत्परता और संवेदनशीलता से जनसुनवाई के आवेदन पत्रों पर कार्यवाही करें। जनसुनवाई ने कमिश्नर ने भगवानदत्त, एनडी कुशवाहा, गिरजा प्रसाद, रामबहोर, रोशनलाल, सुरेश, भागवत प्रसाद तिवारी, जगदीश उपाध्याय, राजमणि के आवेदन पत्रों में सुनवाई की।

कृत्रिम पैर से अब नरेन्द्र द्विवेदी सुगमता से चल सकेगा

रीवा। रीवा 26 मई 2026 रेडक्रॉस रीवा द्वारा संचालित जिला निश्चक पुनर्वास केंद्र द्वारा निर्मित सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। नरेंद्र द्विवेदी निवासी जवा को कृत्रिम पैर एवं एल्बो नो, अक्षय गुप्ता निवासी रायपुर कुर्चुलियान को बोध लेवल ए एफ ओ एवं सिद्धार्थ रामबहोर, रोशनलाल, सुरेश, भागवत प्रसाद तिवारी, जगदीश उपाध्याय, राजमणि के आवेदन पत्रों में सुनवाई की।

चलने वाले नरेंद्र द्विवेदी जब अपना कृत्रिम पैर पहन कर चले तो उनके चेहरे के मुस्कान देखते ही बन रही थी। उन्होंने रेडक्रॉस को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके कारण मैं चल रहा हूं। मैं अपने रोजमर्रा की गतिविधियों को अब अच्छी तरह से कर सकता सकूंगा। उल्लेखनीय है कि चेयरमैन डॉ. प्राभाकर चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में रेडक्रास के इंजीनियर गौरव गुप्ता द्वारा सहायक उपकरणों का निर्माण किया जाता है।

ईदुज्जुहा पर अवकाश अब 28 मई को

रीवा। ईदुज्जुहा पर शासन द्वारा 27 मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। इसमें परिवर्तन करते हुए अब ईदुज्जुहा पर 28 मई को अवकाश घोषित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अवकाश में परिवर्तन नेगोशिएबल इन्स्ट्रुमेंट एक्ट के प्रावधानों के तहत किया गया है। इस आदेश के कारण 27 मई को सभी कार्यालय एवं अन्य संस्थाएं सामान्य रूप से अपना कामकाज करेंगे।

कमिश्नर तथा अन्य अधिकारी ई रिक्शा से पहुंचे कार्यालय



रीवा। रीवा में पेट्रोलियम पदार्थों की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अगस्त 2025 से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद की विशेष पहल पर मंगलवार को संभागीय अधिकारी साइकिल, ई रिक्शा अथवा इलेक्ट्रॉनिक वाहन से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचते हैं। कमिश्नर श्री जामोद तथा अन्य अधिकारी ई रिक्शा से कार्यालय पहुंचे। रीवा में पिछले

40 सप्ताहों से पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम पदार्थों के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया जा रहा है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि अधिकारी, कर्मचारी और आमजन सभी सप्ताह में एक दिन पेट्रोलियम पदार्थों से चलने वाले वाहन के उपयोग के स्थान पर साइकिल तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें। पेट्रोलियम की बचत के छोटे-छोटे प्रयासों से हम देश के विकास में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

सर्वर में खराबी से नहीं बाधित हुई व्यवस्था : अधीक्षक

रीवा। संजय गांधी अस्पताल एवं गांधी स्मारक चिकित्सालय के सर्वर डाउन होने के संबंध में प्रचार माध्यमों में समाचार प्रसारित किए गये हैं। इस संबंध में अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि 26 मई को सुबह से इंटरनेट लाइन बाधित होने के कारण यह तकनीकी समस्या उत्पन्न हुई। यह समस्या सर्वर में किसी आंतरिक खराबी के कारण नहीं, बल्कि इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित होने के कारण आई। दूरसंचार विभाग द्वारा समस्या के निराकरण हेतु कार्य किया जा रहा है तथा इंजीनियरों की टीम इंटरनेट सेवाओं को शीघ्र बहाल करने हेतु लगातार प्रयासरत है। रोगियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

बाढ़ से निपटने की सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करें : अपर कलेक्टर

आपदा प्रबंधन के लिए कम्युनिकेशन प्लान में सभी के फोन नम्बर अपडेट रखने के निर्देश

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। अपर कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ तथा अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें। जल संसाधन विभाग के राहत शिविर त्योंथर तथा जिला स्तर में कंट्रोल रूम बनाकर बाणसागर परियोजना तथा उत्तरप्रदेश के मेजा, सिरसी एवं अदवा बांधों के कंट्रोल रूम से सतत संपर्क में रहें। एसडीएम त्योंथर तथा जवा बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों में राहत शिविर के लिए उचित स्थलों का ध्यान में चिन्हांकन कर लें। बाढ़ की स्थिति में गोताखोर दल, नाव चलाने वाले, जेसीबी तथा क्रेन चलाने



वाले आपरेटर आदि की सूची बनाकर उनके फोन नम्बर कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा दें। पंचायत स्तर पर भी बाढ़ राहत और बचाव के उचित प्रबंध कर लें। अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। कंट्रोल रूम में पंजी संभारित कर महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रतिदिन दर्ज

पशुओं के निष्पादन की भी व्यवस्था करें। नगर निगम क्षेत्र तथा नगरीय क्षेत्र के नालों एवं नालियों की साफ-सफाई तत्काल कराएं। रीवा में बांसघाट, निपनिया, पुष्परजनगर, बिछिया तथा तरहटी मोहल्लों में बाढ़ का प्रकोप होने पर राहत और बचाव की समुचित व्यवस्था करें। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में आपदा प्रबंधन की बैठक करके आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स बाढ़ से बचाव के लिए नाव, रस्सी, टार्च तथा अन्य उपकरणों की तत्काल व्यवस्था कर लें। त्योंथर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिए लोगों को प्रशिक्षण देकर जागरूक करें। एसडीएम सिरमौर बकिया बराज और टमस बराज के अधिकारियों

से संपर्क में रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति में बिजली की वैकल्पिक आपूर्ति, वाहनों की व्यवस्था, खाद्यान्न तथा पेयजल की आपूर्ति एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहें। कंट्रोल रूम 15 जून से सक्रिय करें। अतिवृष्टि की स्थिति में नदियों और बांधों के जल स्तर से संबंधित सूचनाओं को हर घंटे आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उत्तरप्रदेश के अधिकारियों से भी सतत संपर्क में रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों को समय पर सूचना दें।